Hearty thanks to Mr Amitabh Bachchan for expressing his desire to promote Gujarat

by Narendra Modi 10. January 2010 14:19

मित्रो,

2010 का वर्ष कई अच्छी संभावनाओ एवं संकेतों के बीच आरंभ हुआ.

गुजरात में नये साल के पहले दिन लोकतंत्र के हार्द के दर्शन हुए, जिसने लोकतंत्र में श्रद्धा रखनेवाले सभी लोगो के लिए नई आशा जगाई. गुजरात के ५० वर्ष की स्वर्णिम जयंती के लिए राज्य के सभी राजकीय पक्षो के पूर्व एवं वर्तमान जनप्रतिनिधियों, सांसदों एवं पार्षदोने गुजरात विधानसभा में आयोजित स्वर्णिम जयंती परिषद में एक मत और एक सूर से संकल्प किया, जो कि एक ऐतिहासिक घटना रही.

व्यस्तता के बावजूत लंबे समय के बाद थियेटर में "पा.." फिल्म देखने का अवसर मिला. जिस के लिए श्री अमिताभ बच्चनजी का में आभारी हूं. उन्होने निमंत्रण दिया ओर वह स्वयं भी आये.

संवेदना के साथ. बहते हुए पानी की तरह ह्रदय को पल्लवित करते इस फिल्म के कथानक में कई समाजोप्योगी दिशासंकेत है. जिस मे हिंसा या अभद्रता ना हो ऐसी शायद ही कभी पाई जाती फिल्म देखने का आनंद अवश्य होता हैं. राजनीति या राजनेताओ को अच्छा कहने के लिए, आज के युग में बहुत हिम्म्त चाहिए. परंपरागत ढांचे से बाहर निकलकर कुछ नया कर दिखाना पडता है. "पा.." फिल्म में इस प्रकार की हिम्म्त की अभिव्यक्ति भी देखने लिली.

श्री अमिताभजी से मै पहले भी मिल चूका हुं, लेकिन फुरस्त से मिलने का यह प्रथम अवसर था. मेरी एक कविता की पंक्ति हैः

"मारा गुजरातने प्रेम करे ते मारो आत्मा,

मारा भारतने प्रेम करे ते मारो परमात्मा."

श्री अमिताभजी गुजरत को इतना प्यार करते है यह बात, मेरे मनमंदिर को कितना स्पर्श कर चुका होगा, उसका अनुमान आप लगा सकते होगे.

गुजरात की सेवा करने की श्री अमिताभजी की इच्छा, उनकी वाणी और व्यवहार में सचमुच झलकती थी. उन्होने गुजरत का गौरवगान किया इस बात का भी अनूठा आनंद है. उन्होने सार्वजनिक रुप से मेरे लिए अच्छा भाव व्यक्त किया. एक बुजूर्ग के रुप में उनके द्वारा प्रदर्शित किया गया यह प्रेरक भाव, मेरे जैसे व्यक्ति को अधिक दौडने की शक्ति प्रदान करता है.

ईस अवसर पर श्री हरिवंशराय बच्चनने सरदार पटेल के लिए जो भाव प्रगट किया था उसकी सुखद याद के आपभी एक भागीदार बनीए।

श्री हरिवंशराय बच्चननी कविताके शब्दोः

यही प्रसिद्ध लोह का पुरुष प्रबल,

यही प्रसिद्ध शक्ति की शीला अटल,

हिला इसे सका कभी न शत्रु दल,

पटेल पर स्वदेश को गुमान है.

Copyright © 2009 NarendraModi.com

सुबुद्धिउच्च शृंग पर किये जगह,

ह्रदय गंभीर है समुद्र की तरह,

कदम छुए हुए जमीन की तरह,

पटेल देश का निगहबान है.

हरेक पक्षको पटेल तोलता,

हरेक भेद को पटेल खोलता,

दुराव या छिपाव से उसे गरज?

कठोर नग्न सत्य बोलता

पटेल हिंद की निडर जबान है.

मित्रो, आजकल मैं "गरीब कल्याण मेला" के अभियान मैं अत्यंत व्यस्त रहता हुं.

आप सभी को १२वीं जनवरी - विवेकानंद जयंती एवं १४ जनवरी के मकरसंक्रांति के पर्व के लिए खूब सारी शुभकामनाएं...

आपका,

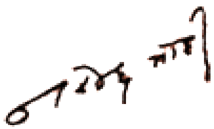

Copyright © 2009 NarendraModi.com